मुंबई के लीलावती अस्पताल में पहली बार डबल वाल्व री-प्लेसमेंट सर्जरी सफलतापूर्वक की गई

भास्कर ब्यूरो

मुंबई। मुंबई की पहली डबल वॉल्व री-प्लेसमेंट सर्जरी मुंबई के लीलावती अस्पताल में सफलतापूर्वक की गई है। वाल्वुलर हृदय रोग से पीड़ित एक बुजुर्ग व्यक्ति का ऑपरेशन एक नवीन वैस्कुलर क्लोजर डिवाइस से किया गया है। इस सर्जरी से बुजुर्ग को नई जिंदगी मिली है। लीलावती अस्पताल में इंटरवेंशनल स्ट्रक्चरल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. रविंदर सिंह राव, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. विद्या सूरतकल, डॉ आनंद राव और एनेस्थेटिस्ट डॉ. नम्रता कोठारी ने मिलकर इस सर्जरी को सफल बनाया है। कर्नाटक के रहने वाले सुबोध मिश्रा को हार्ट वाल्व की बीमारी थी। १४ साल पहले उनकी ओपन हार्ट सर्जरी हुई थी। इस समय महाधमनी और माइट्रल दोनों वॉल्व बदले गए थे। लीलावती अस्पताल में इंटरवेंशनल स्ट्रक्चरल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. रविंदर सिंह राव ने कहा कि , एक ही समय में दोनों वॉल्व बदलने की यह सर्जरी चुनौतीपूर्ण है। डॉ. राव ने कहा, "सर्जरी दो घंटे तक चली। सर्जरी के बाद कुछ ही समय में दोनों वाल्व ने काम करना शुरू कर दिया। लीलावती अस्पताल के हृदय रोग विशेषज्ञ एवं विभाग समन्वयक डॉ. नितिन गोखले ने कहा, "टीएवीआर और टीएमवीआर वर्तमान में स्थापित प्रक्रियाएं हैं। लीलावती अस्पताल के सीओओ डॉ. नीरज उत्तमानी ने कहा कि, हम उन्नत तकनीक की मदद से वाल्वुलर हृदय रोग के एक मरीज का इलाज करने की कोशिश कर रहे हैं।